

DPN 5665

Title : चजा पुचः CAJA PUCHA

Run. No. 6356

Cat. No.

Micro. No.

Subject चजा / *chaja song*

Religion : Hindu / Bauddha

पुच निर्वहण *Ritual*

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *नेपालभाषा निर्देशिका*

Size in cms. 21.5 x 9.5

Folios 10

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / *thyasaphu* /

Condition : fine / *damaged* by worms, rats, *water* /

Beginning, colophon, post-colophon :

20

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

30

॥ गोविन्द नमोऽथ वं सदा भगवता एव मधुन धृती नमामि सिद्धिं सा च
 वधवर्धनी ॥ यन ध्यान ॥ कंथन कंठी का नथः यमि कि का यमि दना (ग
 रं का लेशः वरु कि की संव नर नीय स च स ल व न न रु उ व मा गी नि रु ग
 वरी स ग न ह री का आत्मानं ला व य रा ॥ रु स ला व ना रु डा ला व ना सु का ल न
 व भु म भु नः स डा आ का न भ गु र्थ म भु नः ॥ रु डा म थां सुं यं सुं स ॥ खं सुं सुं
 सुं सुं सुं सुं ॥ सा थ रु न या सु नि या य ॥ दा स ॥ यं मा गी नी या रा स्वां वा य ॥ आ
 क व नः पा था स्वां वा य ॥ श्री मे स श्री र व मा गी नी ए ता न क स या या न म ना धुं

यथा मरुता कोपकं सखा भूना
 विजयं वज्र विपु विन नोपव न रुना

यति क. सा दा ॥ उं ध मां ग नी य हं रु द सा दा ॥ उं या मां व नी य सा दा ॥ उं ह न
 ज की भी य सा दा ॥ उं धा नी य धि नी २ सा दा ॥ उं नू धि त्रि य धि त्रि २ सा दा ॥ उं
 मा ति य धि त्रि २ सा दा ॥ उं उ गि य धि त्रि २ सा दा ॥ उं क त्रि शि य कू त्र २ सा दा ॥
 वि व सि य कू त्र २ सा दा ॥ क या त्रि य व हि २ सा दा ॥ कू म् व हि २ सा दा ॥ व हि य
 व हि २ सा दा ॥ गं धा य सा दा ॥ धू या य सा दा ॥ दि या य सा दा ॥ ए या य सा दा ॥
 ए जा ना सा दा ॥ उं न मा सु का मां धि य त स त्वा मा व क न मा सु रं सं सा ना न
 व मा व क र कं न मा सु रं न मां सिं ह स दा ॥ ध न र त्वा ॥ श्री ग ह्य ना रु पु मे ध नी

प्रथमोऽङ्कः

यः स रू कि शू र नी उं गु वि शु र्ध ध र्म ज आ ट ज अ हं ॥ नि त्र म दा रु द रुं रुं
 रुं रुं सा दा ॥ रु ध मां ॥ रु ध या न ए जा ॥ रु धा यु क ता वृ क्षा य वृ क्षा म ना यु का
 २ स म स्था न सा दा ॥ ध न न रु सा द ना डा ॥ कि र ह ॥ रु सा यं या या न ह सी किं
 वृ का अ क नं शाय ॥ गि र ध मा ग नी ॥ ना ग ॥ ध मा ग नि व रु क ना लि श रि
 व श पिं ग न क र गि न य न ॥ रुं रु यी या रुं रु क न क ना लि २ न ना ना या नू त्र
 म दा व नी ए न रुं रु यी या रुं रु न स रु ग श ह रि ॥ ॥ स म या आ व रु मु डा
 मा म्ब नी द वी २ व ड नी २ व ड म रु रु या न ॥ ॥ सि र कं का ल रु ग व लि स र्वा ॥

वासिकं न कं समकृतवयन ॥ ५ ॥ नृदमदावनीपिधिगनवदन ॥
 ५ ॥ नृदमदावनीपिधिगनवदन ॥ सचमसमदत्रिधिनआदान ॥ ५ ॥
 नाचायसकथा ॥ निवएक ॥ नासनाकाय ॥ माकमिकाय ॥ मासियाक ॥ उं नमाव
 द्याय ॥ गुत्रवनमाधमाय ॥ रात्रयानमासंधाय ॥ नाज्ञानपुरिधेन ॥ क्वानसल
 नागयं ॥ यानडांरिसडालोका ॥ आयुआताग्यसुसंयुदं ॥ दानं विरुषनं नाक दानं
 इग्नेरिनिवाजधं ॥ दानं धकसाधयाधं ॥ दानमासिकुशुलं ॥ कुरुहायमाकृया
 य ॥ गयनासमं ॥ तं लहयतिनालयदानमरुक्कुशुल ॥ आदो कत्याधं ॥ दान

प्रतिसरुनसरुआसरुलारवंडुमनवांचासिधिजसु ॥ वसिकाशनय ॥ साकृत् ॥
 थननिजमतरजा ॥ वनि ॥ विय ॥ वातयक ॥ थनमिरो ॥ रावकु ॥ १५ ॥ नाग
 ऊयंऊयंवाचनी ॥ रायप्रगुलास्कन ॥ मुखयहषसंदाजन ॥ नृशङ्कनयासंदा
 रादाएनातं नावयीमान ॥ मितवान्नस ॥ किनयदयानत्रय ॥ दाएनातं कि
 नऊनशिवरुकागिधी ॥ ऊयंऊयंसाद ॥ आरुनधगुला ॥ कनरिकयात्रकन
 धात्रशी ॥ ऊयंऊयंनृदमसमातपिधि ॥ गुवन्नधुननसिनमाना ॥ ऊयंऊयं
 नावहृऊगसंसात्र ॥ यशसासिमृदयवाचनि ॥ ५ ॥ नागरुजवी ॥ नमासि ॥

किं न भ्रातृकनराकचकुनसुत्रशिआत्रिंगीरा २ यं क ह्नातयंरुआउकन
यः वृधधनमआनययना ॥ ५ ॥ रताहं २ ऊयतसंसाजउआजीयामशाकन
नमस्तुनमस्तु २ यं क किनययना ॥ नमामि २ श्रीरातिरुनस्वतः सवि सि
रिवनयायनी २ इनीरवृन नसर्वपाय कयंकनः दान एव च ह्नामाकयुदा
ता ॥ नाग ॥ नमामि २ धर्म आउवागीयन आ दशह वोनयनिमंदिरा २ ना
दशरायन नठनरुन कोनाः सर्वदवयनिमंदिरा ॥ नमामि २ वागीयनम
स्तु नमामि २ निवागिरी २ नमामि २ विमीदिमहः खविनासि नयनमामिः

卷之四

शुवाजियाः हूँ हूँ नमो भगवते ॥ अकिशीयं वरुणमिहानदा कीशीय नन हूँ हूँ
गंगा ॥ ५ ॥ एवमुक्त्वा यत्किञ्चिदकिञ्च वदुःखं विद्युनमात्रा विद्युनमभियात्र
वरुण कीशीयान वरा नदा कीशीयधु नदा कीशीयधु नदवी ॥ ५ ॥ सिंधिशीया
धीशीरुं वृकडना कीशीयव्यागयनमुसं कुरु सदा ॥ ५ ॥ अकिशीदियिशी वरुः
सिकं वरुनी धाललं वादन कासवदशी ॥ ५ ॥ अतस्तत्तद्विदवी दा किशी उरुयुव
स नक्षयं वमडारुनक्षरुषशीया ॥ ५ ॥ अतस्तत्तद्विदवी दा किशी उरुयुव
दवीशीहानदवी ॥ ५ ॥ ॥ यनगुनमधुलदनकथनविराजाया क ॥ गनवकन

गणेशकृतमथ्याय॥

था॥ ॐ नमो गीवजसखाय॥ ॐ नमो गीगधमधुनाय॥ वरुणवाधनी सग्नसंता न
नं यथोशयगुत्रुठयमादनः मयायशीहानसंरुव॥ नमो गीचक्रनाथाय कः नमो
गीरुवराजशीः नमो गीगुद्वन्यायः नमो गीहानदानकिनीयः नमो गीरु
नमो गीरुनमनमः रक्षाहंत्वा नमो गीमिः गधवकाय नमो गीरुः संरुधुदवराः पू
र्वकंकृत्वाः पवितरजागमधुलं गनवक्रमकर्म मनायमं गीगीशीः जागमधुलं द
त्वा नयानं वदमृतालाजतं रितानमसिद्धिमकर्म गिष्ठादुकसुः सितसवे
सत्वा ननकषयं वरुणसोका नाता विद्वद्वत् सधराकर्म लं वक्रयभूयति न

वधारुगवर्धयः रुनीवृद्धयाशीः रुमोतरुडासोकसानं लास्यामना रुनराया
वनमासमीतं नरुववायवनएसागुगंधचिह्नं अहाननागनं यनावलधूपदि
यं वदुदयदानं रजसमयपनादकसमयः गीवजसखयदविभुमहागुपः लंसं
साजहवयसिमकं रुवनवृद्धया शिगंधानीयस्यवनने योयश्चक्रनमामिसिन
साज्ञानिनमसुतं नमो सुतं रुनवचक्रनाथाय कः नमो सुतं गीजागं वनच
क्रनाथाय नमो सुतं ॥ गीजावज्रवक्रनाथाय कः नमो सुतं ॥ गीसमनवक्रनाथाय कः
नमो सुतं ॥ गीवज्रवादीवक्रनाथाय कः नमो सुतं ॥ गीजाकिशीनामीकाः राथानमा

[illegible]

तविष्णुदसा २३ का गुण आकारिया न॥ ५ ॥ नमामि २ श्री द व का २३ का गुण
 आयथिया न॥ ६ ॥ ॥ यनखाय निद्राय ॥ नागः गण्ड गिनी ॥ रात्रि ॥ वाकि क
 यल कश्चि नाव क म ख न रुषिता ॥ गी य न्नु स न न सिन मा ना ॥ २३ वृषा सी द
 प्रन द मा न्ना का नाः रुरु नाथ म रु ऊ उ ना ना २ व रु के ना रु क दा थ ध नी या कं थ
 सिन हं ख लां ग २ व रु वा ना हि आ निंग न सं व न ना व यी व रु वि रु ला ला २
 वा न्ना नि का न यी कि द मि रु न्ना ॥ अ रु ल न रु न न पु सा द ॥ म रु ऊ म रु षि नः
 याः ग व रं क र्क पाः रु न न व न न पु सा द २ प रु आ निंग न रु न्ना नि न व र्कः

विनास यी गुण क न्ना ॥ ५ ॥ ॥ नाग रु न वि ॥ उ आः हं रु रु अ रु ग द मं ग वि
 स व उ वा न्ना २ ए जा ए कि रा ए रु सं ला यः स रु न्ना प सा रु व रु नः ख ख खा हि ष
 रु लि वा लि ए जा न य घ घा रा य २ वि घ्न न पं वा मि य न स प व सा हा नी नः पं व रु
 न स व नी ना ॥ ६ ॥ स र्व य रु ना रु स रु रा प र नः पि सा वा पु सा ना अ य सा न्ना ॥
 उ क अ कि भी ह यी अ रु सा ना नः २ रु व नि ग रुं रु न ॥ ७ ॥ स म या आ रु कं रु
 मा रु सि धि नः स व सं प दं वि गु र्दि न २ रु ये अ २ रुं थ पि अं थ न कि गं थ मा
 सी का रु व रु न ॥ ८ ॥ द न प रि स र्वे का र्थ सि धि न म ना न थ स र्वे स रु प द सा

१५ रुडाख डाय क काकृतयवन

रिज २ आन संसा न र था ग र व यं नः स्वदायं का न र व हं ड न ॥ क ॥ थ वा स हा न
थ न स म्र य का य ॥ व क र्व नी रु या र क न र विय ॥ थ पा र ग वः व रा गु वा स क र्व वि
य ॥ द न्नां थ थं ॥ रु रु मान नि क रि ए र नि च म्र थ क ॥ ना य क रू प नी क थं थं दों ड
ना श द ड ड य सि क नं रिय स म्र य क र का यः धा ना थ स य या दों ड य ॥ थ रि ॥ थ नं नी
पि ड थ य ना ॥ ता ह नः व नि म्र ६ द नं ड य क र्मा जां पि जां ड य क ॥ थ पिं नि म्र नं थ पं य
य ॥ ना य क रू पिं रः म्र व गु या क था यः ख र कं व गु वा य गु वा हा रु नः दं ग व जा पि जां
वा य ॥ गु वा हा रु रु क र्मा रः म धु या रा र यः व रां र ड वा यः सं खः म यः रा वा यः गं का का

यः स नी वा य कः जं ख र य कः पा ना क या क या पि स ॥ थ न रु रु मानः गु रु म धु ल स र य
गु रु म धु रु न कः ना क पा न राः रु मा य नः म धु ल सः ख वा र या द ना ड याः ना य क रू पिं
राः कि म्रः सान वियः स क र्मा गं ॥ म धु ल वि स रु न या क ॥ थ न ना य क रू प नी स क र्मां
गु रु म धु ल द नः ना क पा न व नी ॥ गु वा हा रु रु क र्मा म धु वि स रु न आ सि वा द सों वियः
स मा धि द ड जा य लं ॥ व क र्व नी या कं रु न्मा स र जा ॥ ना य क रू प नी स क र्मा नं जा या यः
यः सों वा यः रु रु या य ॥ रु नं थान र जा जा पः सों वा यः रु रु या यः स म्रः धा म रः रु ध मी
थ न व नि वियः स क र्मां ना य क रू प नी ॥ द न सः स म्र धा ना दि वा स या य गु वा हा रुं ॥ ज

२४ रु डा स थं गु म पिं का का या वू यः दि रु स म्र य या र

धर्मायाय॥थनइऊमाने॥जाकिइअकंरया॥^{स्वांकितनकगुनं}
जाःदगुसकयः^{यथ}थनयातयासातयाअनपतनकाय॥वातय॥कसातय॥या
^{मनेमयकीतय}नू^{जा}म्वारुतःरुतिःकसःकनःखमाःडाकःइहगुतय॥ययिवाता^{गंगिं}वृधकः
पंयाःआनांरुधक॥दिगुताययकासु४नाकतय॥नायकरूपिंसकमार्त^{गु}
तायःकंरुथरुतिश्चय^{यथ}सलाइकाय॥लापक॥इलाखनकु४^{मराय}इला
कखनःअजिथनूया॥नात्रिसाखनवतारूनःवृध^{गा}॥यकारुपकःकातय॥धउ
जानंवजिःवाकःमायधनीइइ॥कसनःखायुनाःणनूनायोरुमःइइदायाःनाग

नायि यनतात्रकाय ॥ गिरा ॥ नागरुनवी चकतात्र ॥ द्वादशयात्रमिता रुवन
 वडविमायावद्वदत १ रेनवकात्रिनागिरुनवाययिः सादरुंगेचर्मधनरा ॥
 वानाहीनूत्रवालिमनकसंमलसनात्रयसंरुन १ मदासदुगिलंरत्रयि
 नासयिः रुरुनाथसमलाया ॥ दाकिनिनासाखशुनादात्रयीधीवड जागिनी
 २ वडवकवडरुग वडजात्रुनवड रुसाधनये ॥ ५ ॥ कायवाकचिरेगि
 यवकाः आथगिनिवडविमा १ वादलरुनत्रचकमलायाः जागिनीदिसवी
 दिमा ॥ ५ ॥ काकासादिअरुदवीः नानात्रुवविमाद १ परुन १ जागंरुन १

वानयवनसादरुनं ॥ ५ ॥ वाविवाकधर्मसुधलयियां वदिन जागीनीव
 दन १ कत्रुनमागुडनमगुशीसंमननात्रयिसदुजात्रु ॥ ५ ॥ यनारुसामुसा
 काउंथ जागंकाय काउंथत्रुय ॥ नागजात्रालि ॥ दादना ॥ सर्ववृद्धविंवधमा
 नगु विववदशी कदनि १ वरुमशिरुव रु जागीनीः शिकात्रगिधनगीयनात्र
 नी ॥ नसासिवावनासिधिकागिनी १ गभमादिता ॥ अरुनिधिसमसिद्धि जागीः
 नीः विवमानविषशिरु १ आदिरुमधुलरुजसमनसदियमानसधरुता १ व
 किरुधुलकथिनात्रकः मयत्रुयिमा ॥ ५ ॥ कसगिकयात्रमात्रकदनीः सकुत
 वि

कसदिगंवना २ नृदसधुमानावत्वांगे भातिः नत्तुहि कारयंकना ॥ ५ ॥ उक्ता द
 वीचकनीयान् गकलविमवियापिना २ उक्ता नत्तुसि नंगर धनीया अवधुवक
 भूपागावयिया ॥ ५ ॥ ॥ सिसा रु नत्तु २ पात्रा यने कोय क रु रु सो न मधुलयाथो
 सैरं यो अं काय कः से वी धं क ३ सैरं यो न यो स्यं विं श्री हे नो भोयं के ॥ थयां नी ना वाय
 थै न वे नी के मायं के भि रु सा ॥ वकुल नी इ हां वि श्याय ॥ मदा या न कु मे या र
 मा क था यं ॥ मधु व नी ग ध स म हां का न स गं म रा थायं सा च पा ग सि द्धः मा ह
 नी म डा ॥ ५ रि था प ना धु न का अ ॥ मै गु नृ म धु ल ना क पा न व नी रि स मा धि जा
 व ना कि म धु द न के ॥ ५ ॥ १ x धन रु रु मान

२२ उ

यत्वं धन का व ॥ थपंद कां ए जा ॥ द व ए जा ५ नाय धूय आ या सां वा उ गु ॥ स म
 का ना म रा रु का ॥ र त्या ॥ दि व नी सा न कि रा न्या ॥ गु ए जा दं ५ द रु ना ॥ व क म्भ
 नी व कु ल नी या क स वां म गु वा रु ना य क या र द ३ द रु ना व ना रु द ३ द रु ना
 सि द्धः मा रु नी आ गं र न ॥ व कु ल नी य म रु न ना य क रु पिं रि क व कु म्भ ती या क
 स वा म्भ उ वा हा रु मा रु नी व रा रुं सि द्ध रि क ॥ रु रु मा नं पी नं रि क रु द रु रु की म
 उ वि स रु या के न किं या ना हा र न म ना य क गु द ड न रा या कि स रि जा न के
 का य क ॥ म हा या न धु न ॥ य य क क स वि श्या रु नी ध कं का या अ कि स नी व
 का या अ इ रा य ना द ड थि का रा य ॥ ध न या हां अ या अ रु रु मां पिं रु रु रु नी
 का अ द व दे वी नृ नृ सां वा य व रा ॥ द ड या धू क या रु रु मा पि क धू के म ड न